UP Board Solutions for Class 6 Hindi Chapter 29 ईश्वर चन्द्र विद्यासागर (महान व्यक्तिव)

पाठ का सारांश

ईश्वर चन्द्र विद्यासागर का जन्म 16 सितम्बर, 1820 ई० को बंगाल के वीर सिंह नामक ग्राम में हुआ। इनकी माता का नाम भगवती देवी तथा पिता का नाम ठाकुरदास बंद्योपाध्याय था। सभी का सम्मान करना, अपना कार्य स्वयं करना, यह शिक्षा इन्हें अपनी माँ से मिली। गाँव में प्रारम्भिक शिक्षा के बाद ये उच्च शिक्षा के लिए कोलकाता संस्कृत विद्यालय गए। 1839 ई० में लॉ कमेटी की परीक्षा उत्तीर्ण करने पर इन्हें
विद्यासागर की उपाधि मिली। गुरुदेव टैगोर : इन्हें बंगाल काव्य का जनक मानते थे।

जब विद्यासागर स्कूलों के सहायक निरीक्षक नियुक्त हुए; तब इन्होंने शिक्षा में अनेक सुधार कार्य किए। इन्होंने बंगाल में विशुद्ध भारतीय शिक्षा के लिए बीस आदर्श स्कूल खोले। इन्होंने पैंतीस ऐसे स्कूल खोले, जिनमें बालिकाओं की शिक्षा का प्रबन्ध था। ये मेधावी छात्राओं को पुरस्कार भी दिया करते थे। स्त्री शिक्षा के साथ-साथ इन्होंने विधवा विवाह और विधवाओं की स्थिति सुधारने का भी यत्न किया। बाद में विधवा विवाह को कानूनी स्वीकृति मिली। एक बार एक नवयुवक विद्यासागर के दर्शन करने गया। स्टेशन
पर कुली न होने से ईश्वर चन्द्र ने कुली बनकर उसका सामान अपने घर पहुँचाया। युवक के क्षमा माँगने पर ईश्वर चन्द्र ने उसे समझाया, “अपना कार्य स्वयं करो।” ईश्वर चन्द्र विद्यासागर 19 वीं सदी की महान विभूति थे।

अभ्यास

प्रश्न 1.
ईश्वर चन्द्र विद्यासागर ने बालिकाओं की शिक्षा को जरूरी क्यों बताया?
उत्तर :
ईश्वर चन्द्र विद्यासागर ने देश को समृद्ध एवं योग्य नागरिक प्रदान करने के लिए बालिकाओं की शिक्षा को जरूरी बताया।

प्रश्न 2.
ईश्वर चन्द्र विद्यासागर ने अपने समय में कौन-कौन-से सुधार किए?
उत्तर :
ईश्वर चन्द्र विद्यासागर ने अपने समय में निम्न सुधार कार्य किए- शैक्षिक सुधार, सामाजिक सुधार, महिलाओं की स्थिति में सुधार, विधवा विवाह को प्रोत्साहन व कानूनी स्वीकृति, अशिक्षा, रूढ़िवादिता और अन्धविश्वास दूर करना, पुरुषार्थ और स्वयं अपना कार्य करना।

प्रश्न 3.
व्यक्ति के बड़प्पन के विषय में ईश्वर चंद्र के क्या विचार थे?
उत्तर :
व्यक्ति के बड़प्पन के संबंध में ईश्वर चंद्र विद्यासागर का कहना था कि कोई भी
व्यक्ति अच्छे कपड़े पहनने, अच्छे मकान में रहने तथा अच्छा खाना खाने से बड़ा नहीं होता, बल्कि अच्छे काम करने से बड़ा होता है।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 4.
यदि आप किसी व्यक्ति या महिला के कार्यों से खुश हुए तो उनके बारे में लिखें और कक्षा में सुनाएँ।
उत्तर :
विद्यार्थी स्वयं करें।

https://www.evidyarthi.in/